S.Y.M.A. (PART - II) (HINDI) THIRD SEMESTER

MAHIN233-2 – ADHUNIK GADHYA SAHITYA PAPER – II

(आधुनिक गद्य साहित्य)

P. Pages : 2 | **GUG/W/18/643**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं तीन** की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए : **30**

1) ''उस दिन जो अन्धा युग अवतरित हुआ जग पर बीतता नहीं रह - रह कर दोहरता है, हर क्षण होती है प्रभु की मृत्यु कहीं न कहीं हर क्षण अँधियारा गहरा होता जाता है हम सब के मन मे गहरा उतर गया है, युग अँधियारा है, अश्वत्थामा है, संजय है दासवृत्ति उन दोनों वृध्द प्रहरियों की अन्धा संशय है लज्जाजनक पराजय है।''

2) मुक्ति मिल जाती है सब को कभी न कभी वह जो बन्धुघाती है -
हत्या जो करता है माता की, प्रिय की,
बालक की, स्त्री की,
किन्तु आत्मघाती
भटकता है अँधियारें लोकों में
सदा - सदा के लिए बन कर प्रेत।

3) भाई साहब घर पर आते ही बहुत कम थे। ज्यादातर पीकर बाहर पड़े रहते। माँ चिल्लाती तो पिताजी डॉट देते, ''तुम जरूर उसे यहाँ से भगा कर छोडोगी।'' और इस बात से माँ सहम उठती थी। पिताजी ने उन्हें कई बार समझा दिया था कि चंदन के जाने के बड़े दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं - आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक भी।

4) हमेशा की तरह वह फिर दोनों घोडों पर बैठे रहना चाहता था और जमाना था कि उसके खिलाफ हुआ जा रहा था। हर प्रतिभाशाली के लिए लोग ऐसे ही रोड़े अटकाते हैं ------ पर वह हार माननेवाली नस्ल का नहीं था - सुबह से शाम तक भागता रहता, मन्त्रियों से नीचे संसद सदस्यों पर उतर आया ---- जिस किसी के बारे में सुन लेता कि वह प्रधानमंत्री से मिलता जुलता रहता है, उसी के पास पहुँच जाता।

5) इस तरह पग - पग पर पुरुष की सहायता की याचना न करनेवाली स्त्री की स्थिती कुछ विचित्र सी है। वह जितनी ही पहुँच के बाहर होती है पुरुष उतना ही झुंझलाता है और प्रायः यह झुंझलाहट मिथ्या अभियोगों के रुप में परिवर्तित हो जाती है। यह स्वाभाविक भी है, क्यों कि जो अप्राप्य है उसी को प्राप्त प्रमाणित करके हमें सन्तोष होता है; जो प्राप्य है, उसे प्राप्य प्रमाणित करने की आवश्यकता ही नहीं रहती।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **10**

1) ''अंधायुग की धुरी (केन्द्र बिंदु) अश्वत्थामा है यही युग के बोध का वास्तविक रुप उद्घाटित कर सकता है।''- सिद्ध कीजिए।

अथवा

2) दुष्यंत कुमार जी के उपन्यास ''आँगन में एक वृक्ष'' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

अथवा

3) 'छोटे - छोटे राजा' कहानी का सारांश लिखकर कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दस से पन्द्रह पंक्तियों में लिखिए : **20**

1) लछमा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2) 'समय के पाँव' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।
3) शोभाबुआ की चरित्रगत विशेषताऐं लिखिए।
4) अनुसंधान का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

5) 'अंधायुग' के उद्‌देश्य को प्रतिपादित कीजिए।
6) गन्धारी का अंन्धायुग में स्थान निश्चित कीजिए।
7) अनुसन्धान के प्रकार लिखिए।
8) 'हत्या और आत्महत्या' पाठ में निहित संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।
9) अनुसंधान का उद्‌देश्य प्रतिपादित कीजिए।
10) 26 जनवरी निबंध में व्यक्त विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

4. निम्नलिखित अति लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) अनुसंधान का आशय स्पष्ट कीजिए।
2) ऐतिहासिक अनुसंधान की समस्या लिखिए।
3) अनुसंधान की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।
4) अनुसंधान विषय क्षेत्र के गुण लिखिए।
5) ऐतिहासिक अनुसंधान का मूल उद्‌देश्य लिखिए।

5. निम्नलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं : **10**

1) अश्वत्थामा पुत्र था।
   क) कृपाचार्य   ख) द्रोणाचार्य
   ग) परशुराम   घ) भीष्म पितामह

2) छब्बीस जनवरी निबंध के रचियता हैं :
   क) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी   ख) रामधारीसिंह दिनकर
   ग) प्रेमचंद   घ) निराला

3) शोभा बुआ किस पाठ की पात्र हैं,
   क) हत्या और आत्महत्या के बीच   ख) एक और द्रोणाचार्य
   ग) छोटे - छोटे राजा   घ) समय के पाँव

4) प्रेमचंदजी किस प्रेस के संपादक थे?
   क) सरस्वती   ख) उदंड मार्तण्ड
   ग) विमर्श   घ) साहित्य प्रभा

5) लछमा की रचनाकार कौन है?
   क) महादेवी वर्मा   ख) शुभद्रा कुमारी चौहान
   ग) प्रियवंदा   घ) ममता कालिया

6) छोटे - छोटे राजा कहानी के नायक है।
   क) चिमनू दरोगा   ख) अमनू दरोगा
   ग) होरी दरोगा   घ) मन्नू दरोगा

7) गन्धारी के पति का नाम था।
   क) धृतराष्ट्र   ख) दुर्योधन
   ग) कर्ण   घ) युधिष्ठिर

8) पांडवों में सबसे बड़े भाई कौन था?
   क) दुर्योधन   ख) युधिष्ठिर
   ग) भीष्म   घ) अर्जुन

9) 'आँगन में एक' वृक्ष विधा है।
   क) कहानी   ख) उपन्यास
   ग) एकांकी   घ) निबंध

10) 'जिंदगी और गुलाब के फूल' की रचनाकार हैं।
   क) ऊषा प्रियवंदा   ख) अमृता प्रितम
   ग) तसलीमा नसरीन   घ) महादेवी वर्मा

****